फिर यह इलाका उस पंजाब का है जहां पर कि दुश्मन का हमला हो रहा है। अभी दो तीन दिन पहले मिर्धा जी ने कहा कि हमने कह दिया है कि शूटिंग न हो। लेकिन बाकी जो जुल्म हो रहे है, मेरे पास पूरी एक लिस्ट है। इसको आप पढ़ लेंगे कि कैसे कैसे आदमी थे, उनमे कोई नक्सलवादी था भी या नही। यह 40-50 सफे की रिपोर्ट है। मै टाइप करके पालमेन्ट के मेम्बरो को दे दू तो अलग बात है क्योकि यहाँ पर आप ज्यादा टाइम नही दे रहे है।

अब मैं दो या तीन बाते वकूलजन के तौर पर आपके सामने रखना चाहूगा। शूटिंग वगैरह के बाद एक केस है तारागढ करवालिए का जिसका किस्सा भी अखबारो के जरिए आप लोगो के सामने आ चुका होगा।

अध्यक्ष महोदय : मुझे एक एनाउन्समेन्ट करना है। उसके बाद आपकी तकरीर जारी रहेगी।

---

12 03 hrs.

RE : STATEMENT BY DEFENCE MINISTER

MR. SPEAKER : The hon. Defence Minister will be making a statement at 1·15 p.m So, the House, instead of adjourning at 1 p m will continue to sit till the statement is over.

DEMANDS FOR SUPPLEMENTARY GRANTS (PUNJAB), 1971-72—*Contd*

श्री तेजासिंह स्वतंत्र : तो मैं यह अर्ज कर रहा था कि और केसेज को छोडते हुए मैं यह एक केस आपके सामने रखना चाहता हूँ कि करवालिया मे जो कुछ हुआ उसके सिलसिले मे बहुत से डेपुटेशन्स आए, यहाँ तक कि प्राइम मिनिस्टर तक भी प्रबोध जी ने टाइम लेकर उसको पहुचाने की कोशिश की है। उस केस मे जो दो लड़के थे वह बिल्कुल नान-पोलिटिकल थे और उनको कुछ भी किसी बात का पता नही था। हाकी के सिलसिले मे या फुटबाल के सिलसिले मे लडको का कुछ झगड़ा था। वे कही बाहर आपस मे कही मिल गए और पीछे पड़ गए लेकिन वह कमजोर थे और भाग गए। रास्ते मे मोटर साइकिल वाला जो मास्टर था वह भी उनके साथ ही मास्टर लगा हुआ था, इसलिए उससे उन्होंने मोटरसाईकिल मागा पर उसने कहा कि ऐसी दशा मे मै नही देता। वे आगे चले गए और इसी तरह वे घर तक पहुच गए। दूसरी तरफ विरोधियो ने टेलीफोन कर दिया पुलिस को कि दो तीन लडके उधर भाग गए है, कही वे नक्सलवादी न हो। टेलीफोन के बाद डी० एस० पी० श्री ओमप्रकाश, एक और एस० आई० चार सिपाहियो को लेकर वहाँ जा धमके क्योकि पास मे ही गाव था। उनका बाप बाहर बैठा हुआ था। उन्होने उससे पूछा तुम्हारा लडका घर मे है ? उसने कहा हाँ। उन्होने पूछा उसके साथ मे भी कोई है ? उसने कहा हाँ, उसका एक दोस्त भी है, वे बी० ए० मे पढते है। उन्होने कहा कि वह कुछ गडबड करके आये है, कत्ल करके। उसके बाप ने उनको बुलाकर उनके सामने पेश कर दिया। टी० एस० पी० ने वही उनके घर के सामने दोनो लडको के हाथ पीछे बधवा दिए। एक खेत दर्मियान मे है और उसके बाद एक दूसरा खेत है पंडी का तो उसके अगले सिरे पर उनको ले जाकर और खड़ा करके डी० एस० पी० ने अपनी